दैनिक भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त





सीआईडी ने मुंबई पुलिस को सौंपे मामले के कागजात



अदालत ने लगाई थी फटकार, कुछ घंटों में लिया एक्शन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र अपराध अन्वेषण विभाग ने बंदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की मौत से संबंधित मामले के कागजात मुंबई अपराध शाखा को सौंप दिए हैं। अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले की जांच के लिए अपराध शाखा ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथमता एसआईटी कागजात का अध्ययन करेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की निर्भर होगी। इससे पहले, हिरासत में हुई शिंदे की मौत के सिलसिले में 5 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं करने पर महाराष्ट्र पुलिस को बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को फटकार लगाई थी, जिसके बाद कुछ घंटो के भीतर दस्तावेज सौंपे गए।

(शेष पृष्ट ३ पर)

जांबाज आदिल शाह को महाराष्ट्र सरकार का

आदिल के परिवार को शिंदे ने दिए 5 लाख रुपये



मुंबई हलचल/संवाददाता / मुंबई । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कश्मीरी जाबाज ने अपनी जान पर खेलकर लोगों की मदद की और सुरक्षित जगहों तक पहुंचाने में मदद की। लेकिन, लोगों को बचाते हुए इस शख्स ने अपने प्राणों की आहुति दें दी। इस जाबाज के परिवार से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बातचीत की। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आतंकवादी हमले में पर्यटकों की जान बचाने का प्रयास करने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार को पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। खच्चर सेवा मुहैया कराने वाले शाह ने पहलगाम आतंकवादी हमले के दौरान पर्यटकों को बचाते हुए अपनी जान दे दी। (शेष पृष्ट ३ पर)

टूरिस्टों की वापसी का क्रेडिट किसका?

अब हर सच होगा उजागर



मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में 27 निहत्थे हुँ हिंदु पर्यटकों की नृशंस हत्या की घटना के कारण पूरे देश में आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस घटना में महाराष्ट्र के 6 पर्यटेक आतंकियों की गोली के शिकार बन गए तो वहीं कई अन्य घायल भी हुए। हमले के बाद कश्मीर में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों को वापस लाने के लिए महाराष्ट्र की महायुति सरकार के दो प्रमुख पहलगाम पहुंच गए। लेकिन दोनों मंत्रियों के अलग-अलग पहलगाम पहुंचने से महायुति में टॉप लेवल पर कलह (मतभेद) होने चर्चा जोर पकड़ने लगी है। दावा किया जा रहा है कि खासकर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का पहलगाम जाने बीजेपी चिढ़ गई है। पहलगाम आतंकी हमले की घटना के बाद राज्य की महायुति सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए सराहनीय प्रयास किया।

(शेष पृष्ट ३ पर)

शरद पवार की एनसीपी में छिड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

जयंत पाटिल की इस हरकत ने छेड़ी जंग, जल्द छोड़ेंगे साथ!

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पहलगाम आतंकी हमले पर्यटकों की नृशंस हत्या की घटना के बाद देश में देश की जनता सरकार से उरी और पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक की तर्ज पर एक बार फिर बड़े सर्जिकल स्ट्राइक की अपेक्षा रख रही है। लेकिन शुक्रवार को खबर शरद पवार की एनसीपी में सर्जिकल स्ट्राइक की सामने आई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के भीतर असंतोष की खबरों के बीच, पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने प्रवक्ताओं के पैनल को भंग करके सभी को सकते में डाल दिया। विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (मविआ) के प्रमुख घटक दल एनसीपी-एसपी पार्टी का पक्ष मीडिया के समक्ष रखने के लिए 22 प्रवक्ता नियुक्त किए गए थे। (शेष पृष्ट ३ पर)



पार्टी में नाराजगी की चर्चा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव २०२४ में एनसीपी-एसपी पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में पार्टी को केवल 10 सीटों पर ही संतोष करना पडा था। ऐसा माना जा रहा है कि चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद से राज्य नेतृत्व के खिलाफ नाराजगी बढ़ने की अटकलें जोरों पर चल रही हैं।ऐसा भी दावा किया जा रहा है कि पार्टी के विधायक रोहित पवार और जयंत पाटिल के बीच शीत युद्ध चल रहा है। इसी बीच जयंत पाटिल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की भी चर्चा जोरों पर है। लेकिन कोई भी खुलकर कुछ कहने को तैयार नहीं है।



हमारी बात 🔏

ट्रंप का एजेंडा फेल?

ट्रंप प्रशासन यूरोप और खासकर यूक्रेन को अपने प्रस्ताव पर राजी नहीं कर पाया, तो उसे ट्रंप के एक प्रमुख एजेंडे की नाकामी के रूप में देखा जाएगा। इससे चीन के साथ रूस की धुरी कमजोर करने की उनकी मंशा को भी धक्का लगेगा।

डॉनल्ड ट्रंप का भ्रम टूट चुका है कि रूस के राष्ट्रपति को उनके एक फोन करते ही युक्रेन युद्ध टहर जाएगा। इससे उपजे असंतोष का इजहार अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पेरिस में किया, जब उन्होंने कहा कि कुछ दिनों के अंदर नतीजा नहीं निकला, तो अमेरिका युद्ध रुकवाने के प्रयास छोड देगा। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक रुबियों ने ट्रंप की भावना को जाहिर किया। ट्रंप ने कुछ रोज पहले अपने प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक में असंतोष जताया था कि यूक्रेन युद्ध पर बातचीत कहीं आगे नहीं बढ़ रही है, इसलिए अमेरिका इससे हाथ खींचने को तैयार है। समझा जाता है कि अब आखिरी कोशिश के तौर पर युद्धविराम समझौते के प्रस्ताव का मसविदा लेकर रुबियो यूरोपीय सहयोगी देशों से चर्चा करने गए हैं। खबरों के मुताबिक इस प्रस्ताव में क्राइमिया को रूस का हिस्सा मान लेने और युद्ध में यूक्रेन के जिन इलाकों पर रूस ने कब्जा किया है, उसे उसी के पास रहने देने की बातें भी शामिल हैं। इसके अलावा युक्रेन को नाटो में शामिल ना करने का वादा भी इसमें है। यूक्रेन इस पर तब तक राजी नहीं होगा, जब तक यूरोपीय देश भी इसके लिए दबाव नहीं डालते। मगर इन बिंदुओं पर राजी होने का मतलब यूरोपीय देशों का भी हार मान लेना होगा। इसलिए ट्रंप के एजेंडे की राह किंदन नजर आती है। ट्रंप की व्यापार एवं रक्षा संबंधी अन्य प्राथमिकताओं के कारण यूरोप और उनके प्रशासन के बीच खाई पहले ही काफी चौड़ी हो चुकी है। इसे पाटने की कोशिश में इटली की प्रधानमंत्री जोर्जा मिलोनी वॉशिंगटन गईं। वहां उनकी सद्भावपूर्ण मौहाल में ट्रंप से बातचीत हुई। लेकिन विवाद के मुद्दों पर कितनी प्रगति हुई, यह अभी मालूम नहीं है। यूक्रेन युद्ध का क्या होगा, यह काफी कुछ अमेरिका और यूरोप के संबंधों पर निर्भर करता है। बहरहाल, ट्रंप प्रशासन यूरोप और खासकर यूक्रेन को अपने प्रस्ताव पर राजी नहीं कर पाया, तो उसे ट्रंप के एक प्रमुख एजेंडे की नाकामी के रूप में देखा जाएगा। इससे चीन के साथ रूस की धुरी कमजोर करने की उनकी मंशा को भी धक्का लगेगा।

पहलगाम आतंकी हमले पर द्वारिकामाई चैरिटी संस्था ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। कश्मीर घाटी में पर्यटको पर पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पुंछ कर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 27 हिन्दू पर्यटको की हत्या पर द्वारिकमाई चैरिटी संस्था में उबाल आ गया है। संगठन के कार्यकताओं में खासा आक्रोश है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर चौबे ने अपने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिहादी हमले के विरोध में सभी जगहों पर विरोध प्रदर्शन करें। संस्था के पदाधिकारी जितेंद्र शर्मा ने जिलाधिकारी से मुलाकात उन्हें



ज्ञापन दिया उन्होंने बताया कि पहलगाम में मंगलवार को जो आतंकी हमला हुआ है। उसकी घोर निंदा की जा रही हैं। संगठन सरकार से मांग करता है कि जल्द से जल्द आतंकियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाई करे ताकि घटना में मारे गए मृतक आश्रितों के दिल को शांति मिल सके। घटना को लेकर समुचा देश स्तब्ध है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अर्जुन शर्मा, राजेश यादव, रोहित गृप्ता, कमलाकांत शर्मा, भगवती, विद्यासागर आदि लोग मौजुद रहे।

पाकिस्तान तो चाहता है हिंदू-मुस्लिम हो

विरोध कश्मीर में भी हो रहा है। मस्जिदों से आतंकवादियों की मजम्मत (भर्त्सना) की जा रही है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। खून देने के लिए अस्पतालों में लाइनें लग गई। महबूबा मुफ्ती मीर वाइज फारुक उमर ने बंद का काल दिया। यह होना चाहिए। सही है। मगर शेष भारत में जाति, धर्म, हिन्दु मुस्लिम, राजनीति के सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

पहलगाम की आतंकवादी घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। 36 साल के आतंकवादी दौर में टरिस्टों पर इतना बड़ा हमला पहले कभी नहीं हुआ। सही यह है कि टुरिस्ट, तीर्थ यात्रियों पर हमला कभी नहीं हुआ। मगर इस बार यह इतना बड़ा हमला और इसके बाद भाजपा देश भर में यह कहकर धार्मिक भावनाएं और भड़काने लगी है कि जाति पूछकर नहीं धर्म पूछकर हमला

क्या मतलब है इसका? क्यों यह देश भर में हमेशा तनाव और अशांति का माहौल चाहती है? सच है कि जाति पूछकर हमला नहीं होता। पूछने की जरूरत ही नहीं है। जाति जानते हैं। इसलिए जाति जानकर ही हमला होता है। देश में जाति के नाम पर कितना अत्याचार, भेदभाव होता है यह इस समय बताने की चीज नहीं है। भाजपा पता नहीं क्यों चाहती है? उनके आई टी सेल ने व्हट्स एप के माध्यम से इस तरह और आग में घी डालने की कोशिश की है। और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस पर साफ साफ हिन्दु मुसलमान करके! कह तो वे यह रहे थे कि देश को गृह युद्ध में चीफ जस्टिस आफ



इंडिया संजीव खन्ना ने डाला है! यहां सुप्रीम ने क्या किया? यहां तो पाकिस्तान ने भारतीयों पर आतंकवादी हमला करवाया है। 28 निर्दोष लोगों की जान ली है। और भाजपा के राज्यों के आफिशियल ट्वीटर हेंडल से कहा जा कहा है कि जाति नहीं पूछी, धर्म पूछा है। मतलब धार्मिक आधार पर लोगों को भड़काना। तो चीफ जस्टिस कहां हैं? या तो पाकिस्तान है या भाजपा। खुद निशिकांत दुबे ने घटना के तुरंत बाद दुःख, निंदा कुछ नहीं करते हुए सवाल किया कि कि हत्या धर्म के आधार पर है या नहीं?

पुरे देश में माहौल गरमाया जा रहा है। मणिपुर पर एक शब्द नहीं बोला था। दो साल हो रहे हैं। वहां तो बाकायदा गृह युद्ध है। दो समुदाय आपस में जाति, समुदाय के नाम पर ही लड़ रहे हैं। शेष भारत में उसे दोहराने से क्या मिल जाएगा। शांति तो मिलेगी नहीं। हां बस जो पाकिस्तान चाहता है वह जरूर पूरा हो जाएगा। सावधान रहने की जरूरत देश के प्रधानमंत्री को है। आतंकवाद के 36 साल के दौर में कई प्रधानमंत्री हुए। और सभी पार्टियों के या उनके समर्थन से हो गए। ऐसे परीक्षा के कई मौके आए। मगर हर प्रधानमंत्री ने जिनमें भाजपा के वाजपेयी भी थे दो बातों का हमेशा ख्याल रखा। एक पाकिस्तान का हिन्दू-मुस्लिम एजेंडा सफल न होने पाए। दूसरे अन्तरराष्ट्रीय समदाय में यह मैसेज जाए कि भारत के सभी राजनीतिक दल और जनता एक है। याद रहे कि कांग्रेस के नरसिंहराव ने भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी को भारतीय प्रतिनिधि मंडल के नेता बनाकर 1994 में संयुक्त राष्ट्र भेजा था। 1994 याद रहे। यह वह साल था जब केन्द्र सरकार कश्मीर में अमन की वापसी के लिए काम कर रही थी। जिसका महत्वपूर्ण पहलू था वहां लोकप्रिय सरकार की स्थापना। आंतकवाद का सबसे भीषण समय था वह। हम वहीं थे। 1990 से लेकर 2000 तक वहीं रहकर आतंकवाद कवर किया है। और उसके बाद से भी लगातार कर रहे हैं। सरकारों ने देश को सबसे उपर रख कर काम किया और राजनीति को बिल्कुल महत्व नहीं दिया उसी का परिणाम था कि 1996 में केन्द्र सरकार वहां विधानसभा चुनाव करवाने में सफल हो गई।

1994 हमने इसलिए कहा कि ध्यान रखना कि उस समय केन्द्र सरकार फारुख अब्दुल्ला को वापस राजनीति

में सक्रिय करने के लिए तैयार कर चुकी थी। फारूक का कांग्रेस से कोई संबंध नहीं था। उल्टे वे जब वाजपेयी की सरकार केन्द्र में बन गई तो उसे समर्थन देने लगे थे। अपने बेटे उमर अब्दुल्ला को राजनीति में एंट्री ही भाजपा के साथ करवाई थी। वाजपेयी सरकार में मंत्री बनवा कर। खैर तो 1994 में जब नरसिंहा राव ने मानवाधिकार पर यूएन में भारत के खिलाफ रखे पाकिस्तान के एक प्रस्ताव का जवाब देने के लिए जो प्रतिनिधिमंडल भेजा उसमें वाजपेयी के अलावा फारुक भी शामिल थे। बाद में 1996 में वही मुख्यमंत्री बने। सामान्य स्थिति की वापसी की शुरूआत हुई। बीच में कई उतार चढाव आते रहे। भाजपा ने फारूक के बाद कश्मीर के दसरे नेता मफ्ती मोहम्मद सईद और फिर उनकी बेटी के साथ भी समझौता किया। सरकार चलाई। कश्मीर हर दौर से गुजरा। मोदी ने उसका विभाजन किया। पूर्ण राज्य से केन्द्र शासित प्रदेश बनाया। 370 खतम की। और दावे किए कि उनके इन कदमों से कश्मीर में आतंकवाद खतम हो गया।

मगर आतंकवाद सीमा पार था। वहां से संचालित हो रहा था। और वहां मोदी ने कोई स्पष्ट और कड़ा संदेश देने के बदले उनसे अजीब दोस्ती के रिश्ते बनाए। 2014 में अपने शपथ ग्रहण में नवाज शरीफ को बुलाया। और खुद बिना बुलाए जिसे इनका मीडिया बहुत गर्व से कहता है चौंका दिया जैसे चौंकाना कोई गुण होता हो नवाज शरीफ को बुलाने के अगले साल ही 2015 में पाकिस्तान चले गए। याद रहे कि पाक समर्थित आतंकवाद के इस 36 साल के दौरान कांग्रेस के दो प्रधानमंत्री रहे नरसिंहा राव और मनमोहन सिंह मगर एक भी पाकिस्तान नहीं गया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9821238815

email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः दिलशाद एस खान, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।





शादी तो ऑनलाइन हो गई, अब दुल्हन कैसे आएगी?

अटारी बॉर्डर बंद होने से पाकिस्तान में फंसे नागपुर वासी

नागपुर। जम्मु-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भारत के 26 पर्यटकों की मौत हो गई। इस आकंवादी हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सरकार ने पाकिस्तान से सिंध् समझौते सहित कई संधियों को खत्म कर दिया है। भारत सरकार ने पाकिस्तानियों को वापस जाने का आदेश दिया है और अटारी बॉर्डर भी बंद कर दिया है, जिससे पाकिस्तान से कोई न भारत आ सकता है न कोई जा सकता है। इस केस में अब कई भारतीय ऐसे है जो पाकिस्तान में फंस गए है। और अब उनका वापस आना मुश्किल हो गया है।ऐसे मामले में नागपुर के भी कई लोग फंस चुके है। रिपोर्ट के अनुसार, नागपुर के कुछ लोग शादी के लिए पाकिस्तान गए हुए थे, लेकिन अब उनका वापस आना असंभव-सा नजर आ रहा है। कुछ लोग भारत वापस लौटना चाहते थे लेकिन उन्हें पाकिस्तान में ही रुकना पड़ गया है। भारत



और पाकिस्तान के बीच अटारी बॉर्डर भी बंद हो चुकी है, जिस वजह से नागपुर के पाकिस्तान में फंस गए है।

पाकिस्तान में फंसी पत्नी

अटारी बॉर्डर बंद होने के कारण नागपुर के रवि कुकरेजा की पत्नी कमलीबाई पाकिस्तान में फंस गई है। बताया जा रहा है कि 30 साल की कमलीबाई एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोट की गई थी। जैसे ही उन्हें पता चला कि वीडा रद्द कर दिया गया है, तो वे तुरंत रवाना हुई। वे टेन से सात सौ का किलोमीटर का सफर तट कर अटारी पहुंची थी. लेकिन उन्हें पता चला कि बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। इस कारण उन्हें वापस अपने गांव जाना पडा। रवि कुकरेजा ने बताया कि उनकी तरह सौ से भी ज्यादा परिवार अपनो के भारत आने का इंतजार कर रहे थे। तो वहीं पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से प्रतिक्रिया आ रही है कि अगर हम उन्हें जाने भी देते है तो अटारी बॉर्डर बंद है। रवि कुकरेजा की पत्नी लगातार वाघा बॉर्डर आने की कोशिश कर रही

पति से कब मिलेगी बहन?

इसी तरह एक और मामला सामने आया है। 36 साल की समीना नकवी और उसकी बहन अंदालेब भी फंस गई है। पाकिस्तानी नागरिक समीना की शादी नागपर के भालदारपरा में रहने वाले काशिफ नकवी से हुई। समीना की बहन अंदालेब ने ऑनलाइन निकाह किया था। उनके पति जौनपुर में रहते है। अब चिंता ये सामने आ रही है कि अंदालेब को शादी के बाद भारत कैसे लाया जाए। समीना के सामने ये चिंता है कि उनकी बहन अपने पति से कब मिल पाएगी। समीना का कहना है कि अंदालेब का वीजा बनकर तैयार हो चुका था और सभी कागजात भी इस्लामाबाद में भारतीय दुतावास पहुंचाए जा चुके थे। उनका कहना है कि हम शिया भारत में खुद को ज्यादा महफूज समझते है इसलिए उनकी ननदें भी

भारत में ही बसना चाहती हैं। वाघा बॉर्डर से भारत आने के लिए सुमय्या अली छोटे बच्चो के साथ बनाया अपना जन्मदिन



मुंबई। 24/04/2025 रोजी सुमया अली राष्ट्रीय अध्यक्ष नारीशक्ती सेवा फाउंडेशन इन होणे अपना जन्मदिन के साथ छोटे बच्चो के साथ मनाया पुरे देशभर से फोन कॉल आ रहे थे मॅडम आपका जन्मदिन बडे प्रेमाने पर मनाना है लेकिन सुमय्या अली इन्होने अपने पदाधिकारी को स्पष्ट तरीके से निर्देश की अपने देश में इतना बड़ा आतंकवादी हमला हुआ है जिसने बेकसूर लोगो ने अपनी जाने गवाई है ये घटना बहुत ही दुखद है इसलिये अपण जन्मदिन ना मनाते हुए गरजु गरीब निराधार लोगो की सहायता करे सभी लोगो

को मना करने के बाद छोटे बच्चो की जिद्द के आगे बच्चों का मन ना दुखें इसके लिए छोटे बच्चो के साथ ही अपना जन्मदिन मनाया और बच्चो को ख़ुशी मिले इसके लिए सुमय्या अली इन्होने अपने जन्मदिन पर छोटे बच्चो को बुके, पेन और दिगर चीजे प्रदान करते हुए उन्हें ख़ुश किया और बच्चो को आगे की शैक्षणिक प्रगती के लिये शुभेच्छा दि सुमय्या अली इन्होने जन्मदिनपर पदाधिकारीयों को जो आदेश दिये थे सभी ने उसका पालन किया इसके लिए सुमय्या अली ने सभी का मनसे आभार व्यक्त किया।

ठेका मजदूरों के लिए 5 हजार घरों की घोषणा

नागपुर। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और नागपुर के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कामठी शहर में जिलाधिकारी कार्यालय में महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) से संबंधित एक समीक्षा बैठक ली। शुक्रवार को बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। बावनकुले ने बताया कि कौराडी और खापरखेड़ा विद्युत परियोजनाओं में कार्यरत ठेका मजदूरों के लिए 5,000 घरों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। ये घर प्रधानमंत्री आवास

योजना के तहत रियायती दरों पर दिए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कामठी शहर में 2.500 नए घरों के निर्माण की भी घोषणा की। बावनकुले ने आगे कहा कि भीलगांव और खैरी क्षेत्र में पहले से चल रहे 5,000 घरों के निर्माण कार्य में से 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। नागपुर शहर और जिले में कुल 5,500 तैयार घर पात्र नागरिकों को दिए जाएंगे, जिनका वितरण मुख्यमंत्री घरकुल योजना के अंतर्गत किया जाएगा। बावनकुले ने जानकारी दी कि हिसलॉप कॉलेज के पास स्थित म्हाडा इमारत का जल्द ही पुनर्विकास किया

जाएगा। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाने और झुग्गीवासियों को पक्के मकान देने की योजना को भी लागू किया जाएगा। नागपुर महानगरपालिका के आयुक्त झुग्गीवासियों की सूची तैयार कर रहे हैं, ताकि पात्र लाभार्थियों की पहचान की जा सके। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत झुग्गीवासियों के लिए घर बनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री एक साथ 20 लाख घरों को मंजूरी दे रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार से अनुमित मिलने के बाद और 10 लाख घरों की योजना शुरू की जाएगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

जांबाज आदिल शाह को महाराष्ट्र सरकार का सम्मान

वह अपने परिवार में कमाने वाले एकमात्र सदस्य थे। शाह दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में पर्यटकों को खच्चर की सवारी कराकर अपनी आजीविका चलाते थे, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक 20 वर्षीय शाह ने उसके घोडे पर यात्रा कर रहे एक पर्यटक को बचाने की कोशिश की और यहां तक कि एक आतंकवादी से उसकी राइफल छीनने का भी प्रयास किया। शिंदे के ठाणे स्थित कार्यालय से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक उपमुख्यमंत्री ने शाह के साहसिक कार्य से प्रभावित होकर उनके परिवार को व्यक्तिगत रूप से सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया। शिंदे महाराष्ट्र के फंसे हए पर्यटकों की सहायता के लिए 23 अप्रैल को श्रीनगर में थे। एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता वाले शिवसेना के कार्यकर्ताओं और सीमा संगठन के अधिकारियों ने शाह परिवार को पांच लाख रुपये का चेक सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए शाह के परिवार से भी बात की और संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा उन्हें सांत्वना दी। बातचीत के दौरान उनके शाह के भाई ने हमले की भयावहता साझा की और पर्यटकों को बचाने के लिए युवक द्वारा किए गए साहसिक कार्यों की जानकारी दी।

ट्रिस्टों की वापसी का क्रेडिट किसका?

घटना के बाद एनसीपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एनसीपी की ओर से कुछ ऐसे बयान सामने आए जिनमें यह दिखाने का प्रयास किया गया कि पर्यटकों को वापस लाने की पूरी जिम्मेदारी अजित के ही कंधों पर है। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने संकट मोचक मंत्री गिरीश महाजन को सीधे पहलगाम भेज दिया। तो पीछे-पीछे डीसीएम शिंदे भी पहलगाम पहुंच गए। वह न सिर्फ पहलगाम गए बल्कि उक्त हमले में मारे गए एक मात्र मुस्लिम शख्स के परिजनों को उन्होंने पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद भी दी। यह बीजेपी को रास नहीं आया। क्योंकि एक सरकार के दो मंत्रियों के अलग-अलग पहलगाम पहंचने और पीडितों से अलग-अलग मिलने की वजह से विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (मविआ) को महायुति पर आपदा में अवसर तलाशने का आरोप लगाने का मौका मिल गया है। शिवसेना (यूबीटी) पार्टी की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने सत्तारूढ़ महायुति पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के बीच भाई-भतीजावाद की राजनीति चल रही है। ऐसा लगता है जैसे वे मौत का जश्न मनाना चाहते हैं। एकनाथ शिंदे का वीडियो सामने आया है, आप पृष्ठभूमि संगीत के रूप में विभिन्न गाने सुन सकते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह समूह वहां किसी का दुख बांटने नहीं गया था, वे बस

सीआईडी ने मुंबई पुलिस को सौंपे मामले के कागजात

बता दें कि अदालत ने संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) लखमी गौतम की निगरानी में एक विशेष जांच दल के गठन का आदेश दिया था। उसने कहा था कि गौतम अपनी पसंद के अधिकारियों को शामिल करते हुए एसआईटी का गठन करेंगे और इसका नेतृत्व पुलिस उपायुक्त करेंगे। उसने पुलिस हिरासत में शिंदे की मौत की जांच कर रहे राज्य के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को दो दिन के भीतर मामले के सभी दस्तावेज गौतम को सौंपने का निर्देश दिया था। पीठ को शुक्रवार को पता चला कि आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। ज्ञात हो कि ठाणे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में 2 बच्चियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी शिंदे की 23 सितंबर 2024 को पुलिस के साथ कथित मुठभेड़ में गोली लगने से मौत हो गई थी। घटना उस वक्त हुई थी जब शिंदे को तलोजा जेल से कल्याण ले जाया जा रहा था। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी ने उन पर गोलियां चलाई जिसके बाद वह जवाबी कार्रवाई में मारा गया। मजिस्ट्रेट की जांच रिपोर्ट में 5 पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराते हुए कहा गया कि इस दावे में दम है कि यह एक फर्जी मुठभेड़ थी। मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में नामित पुलिस अधिकारी ठाणे अपराध शांखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय शिंदे, सहायक पुलिस निरीक्षक नीलेश मोरे, हेड कांस्टेबल अभिजीत मोरे एवं हरीश तावड़े तथा पलिस के वाहन चालक सतीश खताल हैं।

शरद पवार की एनसीपी में छिड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

लेकिन शुक्रवार को सभी 22 प्रवक्ताओं को एक पत्र पार्टी के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष व विधायक जयंत पाटिल की ओर से भेजा गया। जयंत पाटिल द्वारा भेजे गए पत्र में प्रवक्ताओं के पैनल को भंग किए जाने की सूचना दी गई है। लेकिन इस कदम का कोई कारण नहीं बताया गया है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि पार्टी इकाई का पुनर्गठन किए जाने की वजह से यह कदम उठाया गया होगा।



्र सिंधु जल संधि के निलंबन से भारत को इस नियम का पालन करने की जरूरत नहीं होगी। भारत पाक

कों बाढ़ के डेटा सहित हाइड्रोलॉजिकल डेटा शेयर करना और सालाना बैठक भी बंद कर सकता है।

हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकारा

पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

करें, वरना अवमानना मानेंगे

सिंधु जल समझौते पर रोक लगाकर पाकिस्तान को कड़ा संदेश जम्मू कश्मीर में तेजी से जलविद्युत परियोजनाओं पर शुरू होगा काम बनेगा भारत का पावर हाउस, सिंचाई से चमकेगी पंजाब की भी किस्मत

मंबर्ड हलचल / नर्ड दिल्ली

जम्म और कश्मीर के पहलगाम में हए आतंंकी हमले के बाद भारत ने सबसे पहला कटनीतिक कदम ये उठाया है कि सिंधु जल समझौते पर रोक लगा दी है। अगर आगे चलकर भी पाकिस्तान अपनी हरकतें नहीं सुधारेगा तो भारत इसे पुरी तरह से रद्द करने की ओर कदम उठा

अगर ऐसा हो गया तो एक दिन ऐसी नौबत आ सकती है कि पाकिस्तान को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ सकता हैं। यही वजह है कि अपनी पहली प्रतिक्रिया में उसने इसे 'यद्ध की कार्रवाई माना है। दुसरी तरफ भारत के लिए यह संधि विकास में बहुत बाधक है और खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर की किस्मत बदल सकती है। इस फैसले से जम्म-कश्मीर में पानी की समस्या दर होगी और हिमालय क्षेत्र को लगभग 10.000 मेगावाट बिजली मिलेगी।

अब्दुल्ला का



फैसले का पमाव

हिमालय क्षेत्र 2

जम्मू-कश्मीर

में पानी कमी

की एक बडी

समस्या दुर

को लगभग

10,000

मेगावाट

बिजली

मिलेगी

होगी



पाकिस्तान बार-बार इन परियोजनाओं पर आपत्ति जताता रहा है, जिससे काम में रुकावट आती रही है। लेकिन. संधि के निलंबन से भारत को इस नियम का पालन करने की जरूरत नहीं होगी। भारत, पाकिस्तान को बाद के डेटा सहित हाइडोलॉजिकल डेटा शेयर करना और सालाना बैठक भी बंद कर सकता है। सरकार इसके कानूनी पहलुओं पर विचार

1960 के इस समझौते के निलंबन के भारत

के फैसले से चेनाब, झेलम और सिंधु निदयों

पर बन रही जलविद्युत परियोजनाओं का

अनुसार, भारत को किसी भी नई परियोजना

पर काम शुरू करने से पहले पाकिस्तान को

काम तेजी से होगा। सिंधु जल संधि के

छह महीने का नोटिस देना होता है।

जम्मू-कश्मीर को मिलेगा

बडा फायदा

कानुनी पहलुओं पर विचार जारी

केंद्र सरकार के फैसले पर जम्म-कश्मीर के

मख्यमंत्री उमर अब्दल्ला ने कहा कि भारत

सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। जहां तक

सबसे बडा बढ़लाव चेनाब और झेलम निदयों पर बिजली परियोजनाएं और पानी के भंडारण की सुविधाएं बनाने में होगा। सबसे पहले ५४० मेगावाट की क्वार. 1000 मेगावाट की पाकल दल. 624 मेगावाट की किरू. 390 मेगावाट की किर्थर्ड । और ९३० मेगावाट की किर्थर्इ 11, 1,856 मेगावाट की सावलकोट जैसी जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। इनसे 3,000 मेगावाट से ज्यादा बिजली पैदा होने की उम्मीद है। इससे जम्मू-कश्मीर की बिजली क्षमता में 10.000 मिलियन युनिट की वृद्धि होगी।

जम्म। सिंध जल संधि को निलंबित करने के सिंध जल संधि के पक्ष में नहीं रहे हैं। हमारा मंत्रालय के सचिव को औपचारिक पत्र है। मगर पाकिस्तान लगातार भारत के संघ हमेशा से मानना रहा है कि सिंध जल संधि जम्म-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे गलत है। जल शक्ति मंत्री की सचिव देबाश्री

लिखकर भेज दिया है।

पत्र में सख्त भाषा में कहा गया है. सच्ची भावना से किसी संधि का सम्मान करने का जम्म-कश्मीर का सवाल है. हम कभी भी भखर्जी ने पाकिस्तानी जल संसाधन उत्तरदायित्व ही उस संधि की बनियाद होती

शासित क्षेत्र जम्म-कश्मीर में सीमा पार से आतंकवाद को जारी रखे हए है। पाकिस्तान की इन कार्रवाइयों ने सरक्षा अनिश्चितताएं

बदलापुर मुठभेड मामले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने आदेश के बाद भी बदलापुर स्कुल यौन उत्पीडन मामले में आरोपी अक्षय शिंदे की हिरासत में मौत के मामले में पांच पलिसकर्मियों के खिलाफ

कानून के शासन का पालन किया जाना चाहिए

> सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर ने अद्वालत को बताया कि नौ अप्रैल को सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा कि याचिका पर पांच मर्ड को सनवार्ड होने की उम्मींद है। इस पर पीठ ने कहा कि यदि सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश पर रोक नहीं लगाई है तो सरकार इसका अनुपालन करने के लिए बाध्य है। पीठ ने कहा कि कानून के शासन का पालन किय जाना चाहिए। आपको आदेश का पालन करना होगा अन्यथा हम अवमानना (नोटिस) जारी करने के लिए बाध्य और

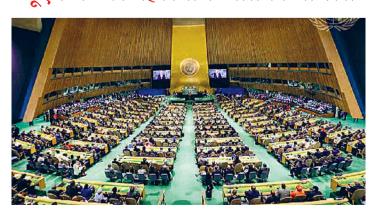
विवश होंगे।

सभी एक सुर में बोले- नागरिकों को निशाना बनाना स्वीकार नहीं

मंबई हलचल / नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र में भारत की ओर से हुए भविष्य के डिजिटल नागरिक को सशक्त बनानाः एकीकृत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को ओर विशेष कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के दुतों और नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए हमलों के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हं। नागरिकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है और इसे किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। संयक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने कहा कि भारत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले में जानमाल के नकसान पर शोक व्यक्त करता है। उन्होंने भारत के उन सभी मित्रों और भागीदारों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने संवेदना व्यक्त की। इस कठिन समय में हमारे साथ एकजुटता दिखाई और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की।

यूएन में उठा पहलगाम आतंकी मामला



प्रियजनों के प्रति संवेदनाएं

अवर महासचिव और डिजिटल क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष दृत अमनदीप सिंह गिल, ब्राजील के उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत नॉरबर्टो मोरेटी और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के मुख्य डिजिटल अधिकारी रॉबर्ट ओप ने भी आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। न्ययॉर्क विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण संदरराजन ने कहा कि मैं भारत सरकार और हाल ही में हुए अक्षम्य आतंकी हमले में नुकसान झेलने वाले लोगों के पति अपनी संवेदना व्यक्त करता है।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने भारत और पाकिस्तान की सरकारों से संयम बरतने भारत-पाक और हालात को और बिगड़ने से रोकने की अपील की है। गुटेरस के प्रवक्ता स्टेफन संयम बरतें: दुजारिक ने बताया कि यूएन महासचिव दोनों देशों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। बुजारिक ने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुआ आतंकी हमला, जिसमें बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे गए, उसकी हम स्पष्ट रूप से निंदा कर चुके हैं।



इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने गरुवार रात पीएम नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने जम्म-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हए आतंंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति दख जताया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लडाई में इटली के पर्ण समर्थन की बात दोहराई। पीएम मोदी ने उनके इस समर्थन और आतंक के खिलाफ स्पष्ट संदेश की सराहना की।

जहां भी जरूरत होगी, हम तैयारः फ्रांस

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई

में भारत को जताया समर्थन

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो ने कहा कि भारत के लोग इस तरह के कठिन समय में फ्रांस की एकजुटता और मित्रता पर भरोसा कर सकते हैं। हम हमेशा से आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ अपनी लडाई में एकजुट रहे हैं और हमेशा एकजुट रहेंगे। मैक्रों ने हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताते हुए कहा कि फ्रांस और उसके सहयोगी आतंकवाद के खिलाफ जहाँ भी जरूरत होगी, लडाई जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नींदरलैंड के पीएम डिक शुफ ने पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए दुखद और अमानवीय सीमा पार आतंकवादी हमले पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा की और सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद को खारिज कर दिया। पीएम मोदी ने समर्थन और एकजुटता के लिए पीएम को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत आतंकवाँद के खिलाफ वैश्विक लडाई को मजबूत करने के लिए नींदरलैंड के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर है। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि भारत इस हमले के जवाब में जो भी कार्रवाई करेगा, उसे हमारा समर्थन रहेगा।

📏 कामरा की जांच करें, गिरफ्तारी नहीं

रिपोर्ट दर्ज न करने पर नाराजगी जताई।

शुक्रवार को न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और

न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि

वह इस बात से हैरान है कि उसके आदेश का

पालन नहीं किया गया। यह हमारे आदेश का

खुला उल्लंघन है। राज्य सरकार उच्च

न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का पालन कैसे

नहीं कर सकती? अगर मामले के कागजात

आज ही स्थानांतरित नहीं किए गए तो

आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू

करनी होगी। अदालत ने कहा कि यदि

सरकार अब ही सात अप्रैल के आदेश का

पालन करने के लिए कदम नहीं उठाती है तो

वह आपराधिक अवमानना कार्यवाही शरू

करने पर विचार करेगी।

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विरुद्ध कथित टिप्पणी को लेकर कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस जांच जारी रह सकती है, लेकिन कामरा को गिरफ्तार नहीं करे। न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति एसएम मोढ़क की पीठ ने कामरा की उस याचिका को स्वीकार कर लियाँ, जिसमें अदालत से अनुरोध करते हुए कहा गया था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध से संबंधित बड़े और गंभीर मुद्धों पर विचार करने की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि जांच पर पूरी तरह रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। जांच जारी रह सकती है।

https://www.facebook.com/mumbaihalchal@halchal



समाचार



वक्फ कानून पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

पहले के संसद से पारित कानून संवैधानिक तौर पर वैध, उन पर रोक नहीं लगाई जा सकती

मंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया और कहा कि इस कानून पर पूर्ण रोक नहीं लगाई जा सकती क्योंकि इसकी संवैधानिकता पर पूर्वधारणा है। 1,332 पृष्ठों के प्रारंभिक जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने विवादास्पद कानून का बचाव करते हुए कहा कि चौंकाने वाली बात है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20 लाख हेक्टेयर (ठीक 20,92,072.536 हेक्टेयर) से अधिक की बढ़ोतरी हुई। केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया है कि मुगल काल से पहले, स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद में भारत में कुल 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ भूमि पर वक्फ बनाए गए। इसमें निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए पहले के प्रावधानों के दुरुपयोग का दावा किया गया है। यह हलफनामा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव शेरशा सी शेख मोहिद्दीन की तरफ से दायर किया गया था।

1,332 पृष्टों के प्रारंभिक जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने विवादास्पद कानून का बचाव करते हुए कहा कि चौंकाने वाली बात है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20 लाख हेक्टेयर (टीक 20,92,072.536 हेक्टेयर) से अधिक की बढ़ोतरी हुई। 18 लाख 29 हजारें 163.896 एकड़ भूमि पर वक्फ बनाएं गए

वक्फ (संशोधन) अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज करें

1,332 पृष्ठों के प्रारंभिक जवाबी हलफनामे में कई बातों का खुलासा

संयुवत सचिव शेरशा ने जवाब पेश किया



धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों को नहीं छीना

हलफनामे में कहा गया है कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं इस झूठे आधार पर आगे बढीं कि संशोधन धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लेते हैं। अदालत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर कानून की समीक्षा कर सकती है। सरकार ने कहा कि प्रमुख राजनीतिक दलों के सदस्यों वाली संसदीय समिति की तरफ से बहुत व्यापक, गहन और विश्लेषणात्मक अध्ययन के बाद संशोधन किए गए हैं।

पारित कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू हो रही

हलफनामे में कहा गया है कि कानून में यह तय है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी और मामले पर अंतिम रूप से निर्णय लेंगी। संसद की तरफ से बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। केंद्र ने कहा कि जबकि यह अदालत मामलों की सुनवाई के दौरान इन चुनौतियों की जांच करेगी, लेकिन सामान्य मामलों में (यहां तक कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर भी) इस तरह के आदेश के प्रतिकूल परिणामों के बारे में जाने बिना पूरी तरह से रोक (या आंशिक रोक) लगाना, यदि याचिकाएं विफल हो जाती हैं, तो यह अनावश्यक होगा, खासकर ऐसे कानूनों की वैधता की धारणा के मामले में।

कानन विधायी शक्ति के वैध प्रयोग का परिणाम

सरकार ने कहा कि संसद ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वक्फ जैसी धार्मिक संस्थाओं का प्रबंधन इस तरह से हो कि उनमें आस्था रखने वालों और समाज के लोगों का भरोसा बना रहे और धार्मिक स्वायत्तता का उल्लंघन न हो। यह कानून वैध है और विधायी शक्ति के वैध प्रयोग का परिणाम है। हलफनामे में कहा गया है कि विधायिका की तरफ से अधिनियमित विधायी व्यवस्था को बदलना अस्वीकार्य है।

वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नही

केंद्र सरकार ने हलफनामें में कहा कि वक्फ मसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि वैधानिक निकाय है. वक्फ संशोधन कानून के मुताबिक मुतवल्ली का काम धर्मनिरपेक्ष होता है न कि धार्मिक. ये कानून चुने गए जनप्रतिनिधियों की भावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने ही बहुमत से इसे पारित किया

विधायी व्यवस्था को बदलना टीक नहीं

हलफनामें में कहा गया है कि विधायिका द्वारा की गई विधायी व्यवस्था को बदलना अस्वीकार्य है। केंद्र सरकार ने 17 अप्रैल को, शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि वह 5 मई तक 'वक्फ बाय यूजर' संपत्ति समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं करेगी और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति करेगी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ अंतरिम आदेश पारित करने के मामले पर ५ मई को सुनवाई करेगी।

दादी को रिश्ते में पोते से हुआ प्यार, पति को छोड़ रचा ली शादी, शर्मसार हुआ परिवार

बसखारी। अंबेडकरनगर जिले के बसखारी थाना क्षेत्र के प्रतापपुर बेलवरिया गांव की यह प्रेम कहानी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। गांव में रहने वाले चंद्रशेखर नामक व्यक्ति की पत्नी इंद्रावती अचानक घर से गायब हो गई थी। चंद्रशेखर दूसरे शहर में रहकर मजदूरी करते हैं और वहीं से अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करते हैं। 10 दिन पहले जब उनकी पत्नी गायब हुई तो उन्होंने आस-पास पता लगाया, तब सामने आया कि उनकी पत्नी का गांव के ही 25 वर्षीय युवक से प्रेम

संबंध चल रहा था। महिला की उम्र जहां 52 वर्ष है, वहीं उसका प्रेमी मात्र 25 वर्ष का है। महिला के पति चंद्रशेखर ने बताया कि उनकी शादी इंद्रावती से करीब 20 साल पहले हुई थी। यह इंद्रावती की दूसरी शादी थी। पहले पित से एक बेटी है, जबिक चंद्रशेखर से दो बेटे और एक बेटी हैं। चंद्रशेखर ने बताया कि कुछ समय से पत्नी का व्यवहार उनके प्रति बदल गया था, वह न ठीक से बात करती थी और न ही किसी बात पर ध्यान देती थी।

पति चंद्रशेखर ने सुनाई आपबीती

चंद्रशेखर का दावा है कि पत्नी और उसका प्रेमी मिलकर परिवार को नुकसान पहुंचाने की योजना भी बना रहे थे, लेकिन समय रहते उसे इस साजिश की भनक लग गई। फिर महिला युवक के साथ भाग गई और गोविंद साहब मंदिर में विवाह कर लिया। चंद्रशेखर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने कहा कि यदि दोनों बालिग हैं और साथ रहना चाहते हैं तो वे कुछ नहीं कर सकते।

समाचार



किडनी को रखना है स्वस्थ तो करें इन जड़ी-बूटियों का सेवन

भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान के कारण किडनी से संबंधित समस्याएं बढ़ती जा रही है। किडनी शरीर का खास हिस्सा है जो शरीर से विषैले पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करती है और शरीर को रोगों से बचाती है। इसलिए स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं आपकी किडनी सही तरीके से काम करें तो दिन में अधिक से अधिक पानी पीएं और कुछ जड़ी बूटियों की भी मदद ले सकते हैं। इन जड़ी बूटियों से किडनी स्टोन, किडनी कैंसर और किडनी से संबंधित अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

आज हम आपको ऐसी जडी बुटियों को बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

1. अजमोद हर्ब

इसमें लूटेओलिन एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो शरीर से विषैले पदार्थ फ्री रेडिकल्स को बाहर निकाल कर किड़नी को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अजमोद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

2. धतूरे की जड़

किडनी को मजबूत करने में धतूरे की जड़ काफी मददगार है। यह रक्त शुद्धिकरण करने में भी मदद करती है। इसके सेवन से शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले एसिड और विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। यह पिट्यूटरी ग्रंथि से प्रोटीन को बाहर निकाल कर हार्मीन में संतुलन बनाएं रखता है।



अमरबेल पौधे के पीले फूल रक्त की शुद्धिकरण में मदद करते हैं। यह किडनी के अलावा लीवर को भी स्वस्थ रखता है।

4. करौंदा जड़ी बूटी

यह बहुत फायदे की जड़ी बूटी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट किडनी से यूरिक एसिंड को बाहर निकालने में मदद करता है। इसमें यूरिया निकालने की क्षमता होती

5. सिंहपर्णी की जड़

यह लीवर और किडनी से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर उनकी कार्य करने की क्षमता को बढ़ाती है। यह भी रक्त शुद्धिकरण में मदद करता है।

इसे आयुर्वेद में बहुत अच्छा माना गया है। यह किंडनी के अलावा रक्त से भी विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर शुद्ध करता है।

7. गोल्डनरॉड (Goldenrod)

गोल्डनरॉड के सेवन से किडनी में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलते है और यह किडनी को मजबूत रखने में मदद करता है।

8. गुडूची(Guduchi)

किडनी को स्वस्थ रखने में यह बहुत कारगार उपाय है। गुडूची रक्त में होने वाले विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है इसलिए इसका सेवन धुम्रपान और शराब पीने वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद

पार्लर से नहीं, घर पर इन 5 आसान स्टेप से करें बॉडी पॉलिशिंग



ख्बसूरती के लिए लड़कियां कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेती है, जिसमें से एक है बॉडी पॉलिशिंग। बॉडी पॉलिशिंग आपके पूरे शरीर की खबसरती बढाने का सबसे लॉजवाब तरीका है। इससे बॉडी पर न सिर्फ ग्लो आता है बल्कि इससे पूरे शरीर की स्किन सॉफ्ट और स्मृद भी हो जाती है। लडिकयां पार्लर में जाकर बॉडी पॉलिशिंग पर पैसे खर्चती हैं लेकिन आप घर पर भी आसान स्टेप से बॉडी पॉलिशिंग कर सकते हैं। इससे आपके पैसे भी बच जाएंगे और कोई

नुकसान भी नहीं होगा। क्या होती है बॉडी पॉलिशिंग बॉडी पॉलिशिंग एक ऐसा है, जिससे शरीर को एक्सफोलिएट और संख्या तेजी से बढ़ी मॉइश्चराइज्ड है। हर साल करोड़ों लोग किया जाता हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसका सबसे बडा कारण बचपन से ही खान-पान की गलत आदत और कम शारीरिक मेहनत है। इसी कारण बच्चों में भ<u>ी</u> हार्ट

आपको सन डैमेज और डिहाईड्रेट स्किन से राहत मिलती है। इसके अलावा नियमित रूप से हर महीने बार बॉडी आदतें डाली जाएं, तो उनमें दिल की बीमारियों पॉलिशिंग की आशंका कम होती है और वो एक स्वस्थ और लंबा जीवन जी सतके हैं।

पढ़ाई के साथ खेल और एक्सरसाइज

आजकल माता-पिता बच्चों को हर समय पढ़ने की नसीहत देते हैं। मनोवैज्ञानिक आधार पर देखें तो बच्चे एक दिन में 8-10 घटे से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इसमें स्कूल में पढ़ाई का समय भी शामिल है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की फिजिकल फिटनेस भी जरूरी है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें और रोज कम से कम आधा घंटा एक्सरसाइज करवाएं। बच्चों को एक्सरसाइज करवाने के लिए आप भी एक्सरसाइज करें। इससे आप भी फिट रहेंगे। रोजाना आधा घंटा एक्सरसाइज करके आप दिल की बीमारियों की आशंका को 60 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट की आदत डालें

सेल्स निकल जाते हैं और शरीर में नए सेल्स बनते हैं। इसे कराने से शरीर में ऑक्सीजन स्पलाई भी अच्छी तरह होती है।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए जरूर सामान

प्यमिस स्टोन जैतून का तेल

इस तरह करें बॉडी पॉलिशिंग

बॉडी पॉलिशिंग करने के लिए सबसे पहले एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोएं और इससे

स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है स्वस्थ और पौष्टिक आहार खाना। इसके लिए बच्चों को बचपन से ही कम शुगर और कम नमक खाने की आदत डालवाएं। इसके अलावा अनहेल्दी फैट युक्त आहार, हाई कैलोरी फास्ट फूड्स और जंक फूड्स बहुत कम खाने दें। किसी स्पेशल मौके पर कुछ फास्ट फूड्स खाए जा सकते हैं मगर उन्हें साफ करने के लिए गुनगुने पानी से शॉवर भी ले सकती हैं।

स्टेप-2

शरीर को साफ करने के बाद जैतून के तेल को गुनगुना कर लें। इसके बाद इससे चेहरे और शरीर पर मसाज करके 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद शरीर को साफ कर लें।

स्टेप-3

तेल साफ करने के बाद पूरे शरीर पर स्क्रब लगाएं। इसके लिए आप घर में चीनी और शहद को मिलाकर भी स्क्रब बना

सकती हैं। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के नमक और चीनी हिसाब से मार्केट इसलिए खाने में इन मिलने तीनों का संतुलन जरूरी है। वाला

वजन न बढ़ने दे

बच्चों में आजकल मोटापे की समस्या बहुत ज्यादा हो रही है। मोटापे

शरीर को साफ करें। आप चाहें तो शरीर को का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। स्टेप-4

इसके बाद प्यमिस स्टोन की मदद से कोहनी, घुटने, एड़ियों और शरीर के सख्त हिस्से को साफ करें। शरीर के बाकी हिस्सों को चेहरे को हाथ से रगड कर साफ कर लें।

5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से शॉवर ले लें। शॉवर लेने के बाद मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं। बॉडी पॉलिशिंग करने के करीब 2-3 दिन तक नहाते समय साबुन का इस्तेमाल न करें।

एक्युप्रेशर प्वाइंट्स दबाएं और हर बीमारी का समाधान पाएं

पैरों के एक्युप्रेशर प्वाइंट्स : शरीर में कई ऐसे प्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जिनका कनेक्शन शरीर के दूसरे भागों से होता है। हाथों-पैरों के इन प्वाइंट्स को दबाकर रोगों का इलाज किया जा संकता है। पैरों के इन प्वाइंट्स को रोज 10 या 15 मिनट तक दबाकर कई बीमारियों से राहत पाई जा सकती है। पैरों के इन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को अच्छी तरह और सही तरीके से दबाकर आप मांसपेशियों की ऐंठन या जकड़न, ब्लोटिंग, अपच, भूख से संबंधित समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम ब्लड प्रेशर का आपको बताएंगे कि पैरों सही होना बहुत के नीचे मौजुद किन महत्वपूर्ण है। दिल एक्युप्रेशर प्वाइंट्स की बीमारियों की मुख्य को दबाकर आप वजह भी ब्लड प्रेशर ही होता है। ब्लड प्रेशर पर बीमारियों से नजर रखने के लिए इसे रेगुलर पा सकते बेसिस पर चेक करते रहना जरूरी है। ब्लड प्रेशर बताता है कि आपके दिल को आपके शरीर के लिए ब्लड पंप करने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही

बच्चों में शुरू से डालें ये 5 आदतें, कभी नहीं होगी दिल की बीमारी



भी आप स्मार्टली हेल्दी तरीके से बना सकती हैं। फल और सब्जियां खूब खिलाएं। रोजाना सुबह चार बादाम और एक ग्लास दुध आपके लाडले को दिन भर एनर्जी और पोषण भी देंगे और इससे बच्चों की मेमोरी पावर भी अच्छी हो जाएगी। दिल के लिए सबसे घातक होता है की वजह से कई तरह के गंभीर रोगों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को मोटापे से दूर रखें। अगर बच्चे रेगुलर एक्सरसाइज करेंगे और हेल्दी डाइट लेंगे, तो उनका वजन कंट्रोल रहेगा और बॉडी फिट रहेगी। इससे उनका विकास यानि शरीर की लंबाई, चौड़ाई और मजबूती भी अच्छी रहेगी। वजन कुंट्रोल करने में नियम का पालन बहुत जरूरी है। पूरे परिवार के खाने का समय और सोने का समय तय कर दीजिए। अनियमित जीवन के कारण कई बार हेल्दी चीजें खाने के बावजूद आप बीमार पड़ सकते हैं।



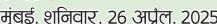
के मरीजों की संख्या तेजी से बढी है। अगर



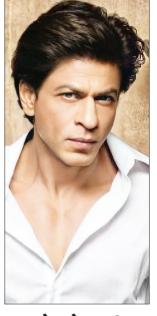












'गुस्से को बयां करना मेरे लिए काफी मुश्किल है'

जम्मु कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले पर हर कोई कडी निंदा कर रहा है। इसमें टूरिस्ट की जान चली गई है और इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। वहीं बॉलीवुड के तमाम सेलेब्स से राजनितिक जगत और आम जनता सोशल मीडिया पर पोस्ट कर आतंकी हमले पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। ऐसे में बॉलीवुड किंग खान और सुपरस्टार शाहरुख खान ने पोस्ट शेयर करते हुए पहलगाम आतंकी हमले पर रोष जताया है। दरअसल, शाहरुख खान ने 22 अप्रैल को हुए इस हमले पर एक्स पर पोस्ट करतें हुए इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि ह्यपहलगाम में हुई हिंसा और अमानवीय कृत्य से दुखी हूं और मेरे लिए अपने गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल हैं। ऐसे समय में, हम सिर्फ भगवान से दुआ कर सकते हैं और पीडित परिवारों कें लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी गहरी संवेदना जाहिर कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के तौर पर एकजूट हों, मजबूत बनें और इस जघन्य अपराध के खिलांफ इंसाफ पाएं।

रश्मिका मंदाना हैं इस गिढी की रानी मुख

साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री आए दिन सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रही हैं। ऐसे में अभिनेत्री ने दो दिन पहले इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था। सोशल मीडिया पर फैंस अब रिंमका मंदाना को रानी मुखर्जी से तुलना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा कि रानी मुखर्जी की तरह है रश्मिका मंदाना। रानी मुखर्जी हमेशा सबसे आकर्षक या सबसे चर्चित नहीं रहीं, लेकिन एक के बाद एक फिल्मों में उन्होंने अपनी भावनात्मक गहराई, ईमानदारी और शालीनता से लोगों का दिल जीता और जल्द ही भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी अभिनेत्रियां बन गईं। रानी एक ऐसी अभिनेत्री थीं जिन पर आप एक अच्छी फिल्म देने के लिए भरोसा कर सकते थे। आज, यह पद धीरे-धीरे रश्मिका मंदाना के पास जाता दिख रहा है, जिनकी राह भी कुछ ऐसी ही है। रश्मिका ने डियर सिनरेड, एनिमल, पुष्पाः द राइज जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। उन्होंने इस साल की शुरूआत पुष्पा 2: द रूल के साथ की, जो पिछले दिसंबर से शुरू हुआ क्रेज जारी है। रिमका एक सच्ची अखिल भारतीय स्टार भी हैं। जहां रानी ने बॉलीवुड में कई विधाओं में काम किया, वहीं रिमका आसानी से उद्योगों और भाषाओं को पार कर रही हैं।

